आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव अँचल

वर्ष 47 अंक 01 (प्रति रविवार) इंदौर, 22 सितम्बर से 28 सितम्बर 2024 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

सुप्रीम कोर्ट के कड़े रुख के बाद केंद्र सरकार ने आठ हाई कोर्ट चीफ जस्टिस नियुक्त किए

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिशों को मानते हुए आठ हाई कोर्ट के लिए चीफ जस्टिस के नामों पर मुहर लगा दी है। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्तियों में देरी पर सफाई मांगने के बाद आया है। खास बात यह है कि झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस की नियुक्ति भी कर दी गई है, जिसके लिए राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार के खिलाफ अवमानना का केस दायर किया था। राष्ट्रपति ने दिल्ली, मध्य प्रदेश, मेघालय, हिमाचल प्रदेश, केरल, मद्रास, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख और झारखंड के मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।

केंद्र सरकार ने किया त्वरित फैसला

सरकार के इस त्वरित फैसले से न्यायपालिका में नियुक्तियों के मुद्दे पर कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच मतभेद बढ़ने की आशंका कम हो गई है। पिछले साल इसी मुद्दे पर न्यायिक कार्यवाही के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार द्वारा कानून का पालन न करने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जजों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम व्यवस्था देश का कानून है और केंद्र सरकार को इसका पालन करना ही होगा। अगर कॉलेजियम किसी नाम को दोबारा भेजता है तो सरकार के पास उसे स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता।

किसे कहां बनाया गया चीफ जस्टिस?

सरकार ने दिल्ली हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस मनमोहन को मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है। दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस राजीव शकधर को हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया है।

दिल्ली हाई कोर्ट के एक और जज जस्टिस सुरेश कैत मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस का पदभार संभालेंगे। कलकत्ता हाई कोर्ट के जज जस्टिस इंद्र प्रसन्न मुखर्जी को मेघालय हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया है। बॉम्बे हाई कोर्ट के जज जस्टिस नितिन मधुकर जमदार केरल हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में कार्यभार संभालेंगे। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस ताशी रबस्तान को उसी हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। बॉम्बे हाई कोर्ट के जज जस्टिस श्रीराम कल्पाथी राजेंद्रन को मद्रास हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस और हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस जस्टिस एम एस रामचंद्रन राव को झारखंड हाई कोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया है।

ईमानदारी से चुनाव लड़े जा सकते हैं और जीते भी जा सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर जनसभा की। उन्होंने 2011 में हुए अन्ना आंदोलन और पहली बार चुनाव जीतने की घटना का जिक्र किया। कहा- हम पहली बार में ही ईमानदारी के दम पर सत्ता में आ गए। इस्तीफे पर केजरीवाल ने कहा- सत्ता और कुर्सी का लालची नहीं हूं। भाजपा ने भ्रष्टाचारी और चोर कहा तो दुख हुआ। लांछन के साथ कुर्सी तो क्या सांस भी नहीं ले सकता हूं, जी भी नहीं सकता। अगला दिल्ली चुनाव मेरी अग्नि परीक्षा है, अगर ईमानदार लगूं तो ही वोट देना। आप संयोजक ने संघ प्रमुख मोहन भागवत से 5 सवाल पूछे। कहा- जब 75 साल में लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और कलराज मिश्र जैसे नेताओं को रिटायर कर दिया तो ये नियम मोदी पर लागू क्यों नहीं। अमित शाह कह रहे हैं कि मोदी पर लागू नहीं होगा। भागवत जी जवाब दीजिए। दिल्ली शराब नीति केस में 13 सितंबर को जमानत पर बाहर आने के बाद केजरीवाल ने 17 सितंबर को आप पद से इस्तीफा दे दिया था। 21 सितंबर को आतिशी दिल्ली की नई मुख्यमंत्री बन गईं। केजरीवाल बोले- ईमानदारी से चुनाव लड़े जा सकते हैं और जीते भी जा सकते हैं मुझे आज भी याद है। 4 अप्रैल 2011 का दिन था, जब आजाद भारत का भ्रष्टाचार विरोधी सबसे बड़ा आंदोलन यहां जंतर-मंतर से शुरू हुआ था। उस वक्त की सरकार अहंकारी थी। चैलेंज करते थे कि चुनाव जीतकर दिखाओ। हम छोटे थे, चुनाव के लिए पैसा चाहिए था, गुंडे चाहिए थे, आदमी चाहिए थे। हम कैसे लड़ते हमारे पास कुछ नहीं था। हम भी चुनाव लड़ लिए, जनता ने जिता दिया, पहली बार में आम आदमी पार्टी की सरकार बना दी। हमने साबित कर दिया कि ईमानदारी से चुनाव लड़े जा सकते हैं और जीते भी जा सकते हैं।

इंडियन यूथ कांग्रेस के नए अध्यक्ष बने उदय भानू चिब

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को उदय भानु चिब को भारतीय युवा कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने एक बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बयान में कहा, माननीय कांग्रेस अध्यक्ष ने श्री उदय भानु चिब, जो वर्तमान में भारतीय युवा कांग्रेस के महासचिव और जम्मू और कश्मीर प्रदेश युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष हैं, को तत्काल प्रभाव से भारतीय युवा कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया है। उदय से पहले ये पद श्रीनिवास बी.वी. संभाल रहे थे। जम्मू-कश्मीर में चल रहे विधानसभा चुनावों के बीच कांग्रेस लिए गए इस फैसले को अहम माना जा रहा है क्योंकि चिब युवा कांग्रेस की इकाई के प्रमुख रह चुके हैं। वह जम्मू-कश्मीर चुनावों के लिए कांग्रेस की घोषणापत्र समिति का भी हिस्सा थे। इस महीने की शुरुआत में, उदय को नेशनल कांग्रेस के उम्मीदवार अजय कुमार सधोत्रा के रोड शो में भाग लेते हुए भी देखा गया था।

अजय कुमार सधोत्रा ने जम्मू उत्तर विधानसभा सीट के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था।

जब तक आतंकवाद का सफाया नहीं हो जाता, तब तक पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी- शाह

जम्मू,(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के नौशेरा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पाकिस्तान को सख्त संदेश दे दिया है। इस रैली में शाह ने पाकिस्तान और आतंकवाद पर निशाना साधते हुए कहा कि जब तक आतंकवाद का सफाया नहीं हो जाता, तब तक पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। उन्होंने कहा, कि अगर बात करनी है तो नौशेरा के शेरों से करेंगे, पाकिस्तान से नहीं। शाह ने कश्मीर में तिरंगा लहराने के अपने संकल्प को दोहराया और जोर देकर कहा कि कश्मीर में अब सिर्फ तिरंगा ही लहराएगा।

गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रविंदर रैना के समर्थन में आयोजित इस चुनावी रैली में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी पर तीखे हमले किए हैं। उन्होंने फारूक अब्दुल्ला पर निशाना साधते हुए कहा कि अब्दुल्ला जम्मू में आतंकवाद के फिर से पनपने की बात कर रहे हैं, लेकिन मोदी सरकार आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। शाह ने कहा, कि हम आतंकवाद को पाताल में दफना देंगे। किसी भी आतंकवादी या पत्थरबाज को रिहा नहीं किया जाएगा। आरक्षण के मुद्दे पर भी शाह ने कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की आलोचना की। उन्होंने पहाड़ी और गुर्जर बकरवाल समुदायों को आरक्षण देने के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि 70 वर्षों तक कांग्रेस, एनसी और पीडीपी ने पहाड़ियों को आरक्षण से वंचित रखा था। शाह ने वादा किया कि गुर्जर बकरवाल समुदाय का आरक्षण किसी भी स्थिति में कम नहीं किया जाएगा। शाह ने कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस पर तिरंगे की अवमानना करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब जम्मू-कश्मीर में केवल तिरंगा ही लहराएगा। उन्होंने फारूक अब्दुल्ला पर तीखा हमला करते हुए कहा कि जब कश्मीर आतंकवाद की आग में जल रहा था, तब अब्दुल्ला लंदन में छुट्टियां मना रहे थे। मोदी सरकार ने आतंकवाद को कुचलने के लिए ठोस कदम उठाए हैं, और अब कश्मीर में शांति और स्थिरता वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

संपादकीय

संविदा और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का सरकारी शोषण?

पिछले कई दशकों से सरकार खाली पदों को नहीं भर रही है। रिक्त पदों को भरने के स्थान पर स्वीकृत पदों की कटौती कर रही हैं। सेवा निवृत्ति कर्मचारी के स्थान पर दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की नियुक्ति करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में संविदा के आधार पर ठेकेदारी प्रथा पर बड़ी संख्या में कर्मचारियों को रखा जा रहा है। कई सालों से दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी काम कर रहे हैं। उन्हें नियमित नहीं किया गया। उन्हें बहुत कम वेतन दिया जाता है। सरकारी कमर्चारियों की तरह उन्हें कोई सुविधा भी नहीं मिलती है। दैनिक वेतन भोगियों और संविदा कर्मचारी की नौकरी सुरक्षित नहीं है। दो दशक पहले दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी सरकारी विभागों में रिश्वत देकर नौकरी पाते थे। परिवार वालों को लगता था, एक बार दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में नियुक्ति हो गई। आगे चलकर वह नियमित कर्मचारी हो जाएगे। दो दशक से ज्यादा हो गए, अभी तक दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित नहीं किया गया। सरकारें, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को दरकिनार कर देती हैं। पिछले कुछ वर्षों में केंद्रीय स्तर पर तथा राज्यों के स्तर पर बड़े पैमाने पर संविदा नियुक्ति की जा रही है। सरकारी विभागों में कार्यालयों के काम ठेके पर दिए जा रहे हैं। ठेकेदार संविदा में कर्मचारियों की नियुक्ति करते हैं। सरकार जो पैसा कर्मचारियों के लिए ठेकेदार को भुगतान करती है, उससे 30 से 40 फ़ीसदी कम पैसा ठेकेदारों द्वारा संविदा कर्मचारियों को भुगतान किया जाता है। देश भर के सभी राज्यों में लाखों लोग संविदा नियुक्त पर काम कर रहे हैं। दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की संख्या भी प्रत्येक राज्य में लाखों में है। राज्य सरकारों और नगरीय निकायों और राज्य सरकारों के पद कई वर्षों से खाली पड़े हुए हैं। सरकार उन्हें कर्मचारियों को नियमित करके नहीं भर रही है। कई वर्षों से भर्ती प्रक्रिया भी बंद है। सारी सरकारी सेवाएं गड़बड़ाती चली जा रही हैं। नगरीय निकाय, कलेक्टर कार्यालय, संभागीय कार्यालय, मंत्रालय, संचालनालय, तहसील कार्यालय, एसडीएम कार्यालय सब जगह पर संविदा कर्मचारी काम कर रहे हैं। इसका खामियाजा आम आदमी और सरकार दोनों को ही भुगतना पड़ रहा है। राजस्व विभाग में जमीन के रिकॉर्ड का काम संविदा के कर्मचारी देख रहे हैं। परिवहन विभाग के लाइसेंस संविदा कर्मचारी बना रहे हैं। मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों की सुविधा भी संविदा कर्मचारियों के भरोसे है। कंप्यूटर में राजस्व रिकॉर्ड में बड़े पैमाने पर हेरा-फेरी किए जाने के समाचार रोजाना मिल रहे हैं। करोड़ों की जमीन खुर्द-बुर्द की जा रही है। संविदा कर्मचारियों के माध्यम से सरकारी कार्यालय के रिकॉर्ड को मनमाने तरीके से बदला जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की सभी सेवाएं ठेके पर चल रही हैं। आउटसोर्स में जो कर्मचारी काम कर रहे हैं। उन्हें विभिन्न योग्यता के अनुसार अधिकतम 10000 से 15000 रूपये के बीच प्रतिमाह भुगतान किया जा रहा है। दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी और संविदा कर्मचारियों से निर्धारित समय के बाद भी काम कराया जा रहा है। उसका उन्हें कोई भुगतान नहीं किया जाता। अधिकारियों द्वारा दैनिक भोगी और संविदा कर्मचारियों का लगातार आर्थिक एवं शारीरिक शोषण किया जा रहा है। उनकी सेवाएं समाप्त करने के नाम पर यह शोषण पिछले कई वर्षों से चल रहा है। सरकार से संविदा कर्मचारियों के लिए 15,000 और 20,000 रूपये प्रतिमाह का भुगतान किया जा रहा है। लेकिन आउटसोर्स कर्मचारी को 7,000 से 10,000 रूपये का भुगतान ठेकेदार द्वारा किया जाता है। इन सारी गड़बड़ियों के बारे में सरकार और उनके अधिकारियों को पता है। सरकारी अधिकारियों और मंत्रियों का ठेके में बड़ा कमीशन होता है, जिसके कारण दैनिक वेतन भोगी और आउटसोर्स कर्मचारियों का आर्थिक शोषण लगातार हो रहा है। पहले सरकारी विभागों में दैनिक वेतन भोगी के रूप में जो कर्मचारी काम करते थे, इस आधार पर उनकी शादी भी हो जाया करती थी। तब यह माना जाता था, कि कुछ सालों के बाद उक्त कर्मचारी नियमित हो जाएगा। जो कर्मचारी 15-20 साल से लगातार काम कर रहे हैं, आज तक वे नियमित नहीं हुए हैं। ऐसी स्थिति में अब दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी और संविदा पर काम करने वाले कर्मचारियों की शादी भी नहीं हो पा रही है। उनकी नौकरी सुरक्षित नहीं है।

तिरुपति में प्रसादम से खिलवाड़ आस्था पर आघात

ललित गर्ग

लाखों-करोड़ों हिन्दू श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र तिरुमाला भगवान वेंकटेश्वरस्वामी मंदिर में मिलने वाले लड्डू वाले प्रसाद में घी की जगह जानवरों की चर्बी और मछली के तेल का इस्तेमाल की शर्मनाक एवं लज्जाजनक घटना ने न केवल चौंकाया है बल्कि मन्दिर व्यवस्था पर सवाल खड़े किये हैं। यह मामला जितना सनसनीखेज है, उतना ही आस्था पर आघात करने वाला भी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने पहले यह कहा कि तिरुपति मंदिर में मिलने वाले लड्डुओं को बनाने में ऐसी सामग्री का इस्तेमाल किया जाता था, जिसमें पशुओं की चर्बी मिली रहती थी, फिर उन्होंने गुजरात की एक सरकारी प्रयोगशाला से मिली रपट के आधार यह कहा कि लड्डुओं को बनाने में जिस घी का उपयोग होता था, उसमें सचमुच पशुओं की चर्बी, मछली के तेल आदि का प्रयोग होता था। यह घटना हिन्दू आस्था, पवित्रता एवं मन्दिर संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्ठा एवं एक विडम्बनापूर्ण त्रासदी है। अगर प्रसाद के मिलावटी एवं अपवित्र होने की बात सही है तो इससे अधिक आघातकारी, अनैतिक एवं अधार्मिक और कुछ हो ही नहीं सकता। चौंकाने वाली बात यह है कि प्रसाद के तौर इन लड्डुओं का वितरण न केवल श्रद्धालुओं के बीच किया गया, बल्कि भगवान को भी भोग के तौर पर यही लड्डू चढ़ाया जाता था। अब इस मामले में केंद्र सरकार एवं प्रांत सरकार के दखल देने मात्र से संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता क्योंकि हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़ करने वाला यह प्रकरण अक्षम्य अपराध है, जिसकी गहन जांच होनी ही चाहिए, ताकि ऐसे जघन्य कृत्य अन्य मन्दिरों की अस्मिता के धुंधलाने के कारण न बने।

प्रथम दृष्टया मंदिर प्रबंधन प्रसादम से खिलवाड़ का दोषी है। जो मंदिर प्रतिदिन तीन लाख लड्डू बेचकर सालाना 500 करोड़ रुपये तक लाभ कमाता है, वह क्या इतना सक्षम नहीं कि गुणवत्ता जांच के लिए एक किफायत्ती प्रयोगशाला ही बना ले? मंदिर प्रबंधन के पास न तो अपनी जांच सुविधाएं हैं और न वह जांच कराने का इच्छुक था? देश के संपन्नतम मंदिरों में शुमार यह तीर्थ अगर गुणवत्ता, आस्था एवं पवित्रता से समझौता कर रहा है, तो देश के बाकी मंदिरों में क्या हो रहा होगा, सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। मन्दिरों एवं आस्थास्थलों पर दिनोंदिन बढ़ रही श्रद्धालुओं की आस्था एवं भीड़ से आर्थिक लाभ कमाने की मानसिकता न केवल घिनौनी है बल्कि शर्मनाक भी है। मंदिर तो भगवान भरोसे चल रहे हैं, पर मन्दिर-प्रबंधन स्वयं को अर्थपति बनाने में जुटा है, यही कारण है कि मन्दिर को धंधा बना दिया गया है, ऐसे मन्दिर प्रबंधकों, पूजारियों एवं पदाधिकारियों की श्रद्धा न तो भगवान के प्रति है और न भक्तों के प्रति। वे तमाम मंदिर, जो अपने यहां से प्रसाद वितरित करते हैं या बेचते हैं, उन सभी को गुणवत्ता, शुद्धता एवं पवित्रता जांच की व्यवस्था जरूर करनी चाहिए।

एक बड़ा सवाल यह है कि ये कौन लोग हैं, जिन्हें पवित्रता एवं जन-आस्था की परवाह नहीं है। मंदिर ट्रस्ट ने प्रसादम से खिलवाड़ और मिलावट की पुष्टि की है। देश के एक पवित्रम श्रद्धा केंद्र तिरुपति मंदिर का प्रबंधन करने वाली संस्था तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने कहा है कि घी के आपूर्तिकर्ताओं ने मंदिर में गुणवत्ता जांच की सुविधा न होने का फायदा उठाया है। अब सवाल उठता है कि मंदिर प्रबंधन की सफाई या स्वीकारोक्ति को कितनी गंभीरता से लिया जाए? क्या मंदिर प्रबंधन को अपराध की गंभीरता का अंदाजा है? क्या मंदिर प्रबंधन को मंदिर की पवित्रता का अनुमान है? देश एवं दुनिया के सबसे चर्चित आस्थास्थल से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। यह अफसोस की बात है कि मंदिरों में बाहर से चढ़ने वाला प्रसाद तो पहले से ही संदेह के दायरे में रहता है, पर अगर मंदिर की अपनी रसोई में तैयार होने वाले प्रसाद की भी विश्वसनीयता आहत हुई है, तो यकीन मानिए, इंसान फिर किन पर भरोसा करेगा? क्योंकि व्यापार में मिलावट तो चल ही रही है, अब मन्दिरों में यानी भगवान के दरबार में मिलावट से मनुष्यता गहरे रसातल में चली गयी है। मूल्यहीनता एवं अनैतिकता की यह चरम पराकाष्ठा है। गुणवत्ता एवं पवित्रता सुनिश्चित करने वाले अधिकारियों के लिए यह एक गंभीर चुनौती है और इस चुनौती को स्वीकार करते हुए युद्ध स्तर पर काम करने की आवश्यकता है।

इस खुलासे के बाद लोग अपना गुस्सा एवं आक्रोश भी जाहिर कर रहे हैं। कुछ ऐसा ही 1984 में भी हुआ था जब डालडा में चर्बी मिले होने का मामला सामने आया था, लेकिन वह व्यापार का मामला था, लेकिन तिरुपति प्रसादम में मिलावट का मामला आस्था का है। भूल, अपराध एवं लापरवाही की नब्ज को ठीक-ठीक समझना जरूरी है। भूल सही जा सकती है, लेकिन लापरवाही एवं आपराधिक सोच को सहन नहीं किया जा सकता। दरवाजे पर बैठा पहरेदार भीतर-बाहर आने-जाने वाले लोगों को पहचानने में भूल कर सकता है मगर सपने नहीं देख सकता। लापरवाही एवं अपराधिक मानसिकता विश्वसनीयता एवं पवित्रता को तार-तार कर देती है। बुराइयां जब भी मन पर हावी होती हैं, गलत रास्ते खुलते चले जाते हैं। मन्दिरों पर बुराइयां हावी होना चिन्ताजनक ही नहीं, गंभीर खतरों के संकेत हैं। मन्दिर प्रबंधन को अधिक चुस्त-दुरस्त, पारदर्शी एवं नैतिक बनाने की भी जरूरत है। प्रश्न है कि हिन्दू मन्दिरों में ही ऐसे मामले क्यों सामने आते हैं, क्या मन्दिर प्रबंधन अन्य समुदायों के मन्दिरों या धार्मिक-स्थलों की तरह पवित्र, गुणवत्ता पूर्ण, उच्च चारित्रिक एवं नैतिक देखभाल नहीं कर सकते?

यह मंदिर भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित है, जिसे तिरुपति बालाजी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। मान्यता है कि भगवान वेंकटेश्वर ने लोगों को कलियुग के कष्टों और परेशानियों से बचाने के लिए अवतार लिया था। यहां बालों का दान किया जाता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति अपने मन से सभी पाप और बुराइयों को यहां छोड़ जाता है, उसके सभी दुःख देवी लक्ष्मी खत्म कर देती हैं। लेकिन मन्दिर प्रबंधकों एवं प्रसाद निर्माताओं के पापों का क्या हो? बहरहाल, तिरुपति में लड्डुओं का वितरण तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। अशुद्ध मिलावटी आपूर्ति के लिए जिम्मेदार ठेकेदार को काली सूची में डालना और उस पर जुर्माना लगाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उसे कठोर दण्ड दिया जाना चाहिए। मिलावट विरोधी कानूनों के सबसे कड़े प्रावधान उस पर लागू होने चाहिए और सजा ऐसी मिलनी चाहिए कि मिसाल बन जाए। यह कार्य स्वयं मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को सुनिश्चित करना चाहिए। ऐसे संवेदनशील मामलों में राजनीति तो कत्तई नहीं होनी चाहिए, आरोप-प्रत्यारोप से भी बचा जाना चाहिए। भावनाओं से खेलने के बजाय शासकों को शासन- प्रशासन के जरिये सुनिश्चित करना होगा कि शुद्धता-गुणवत्ता केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि तमाम जगहों और उत्पादों में बहाल रहे। दिव्य मंदिर तिरुमाला की पवित्रता और करोड़ों हिंदुओं की आस्था को नुकसान पहुंचाकर बहुत बड़ा पाप किया गया है।

मन्दिर-व्यवस्थाएं मूल्यहीन और दिशाहीन हो रही है, उनकी सोच जड़ हो रही है। मिलावट, अनैतिकता, अपवित्रता और अविश्वास के चक्रव्यूह में मन्दिर मानो कैद हो गये है। यह तो दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है कि प्रसादम के साथ भी खिलवाड़ हो रहा है, सामान्य जन-जीवन में दूध, घी, मसाले, अनाज, दवाइयां तथा अन्य रोजमर्रा के उपयोग एवं जीवन निर्वाह की शुद्ध वस्तुएं किसी भाग्यशाली को ही मिलती होंगी। भारत के लोगों को न शुद्ध हवा मिल रही है और न शुद्ध पानी और न ही शुद्ध खाने का निवाला, कैसी अराजक शासन व्यवस्था है? इस भ्रष्ट एवं अनैतिकता की आंधी मन्दिरों तक पहुंच गयी है, हमें सोचना चाहिए कि शुद्ध प्रसादम हासिल करना श्रद्धालुओं का मौलिक हक है और यह मन्दिर प्रबंधन के साथ सरकार का फर्ज है कि वह इसे उपलब्ध कराने में बरती जा रही कोताही को सख्ती से ले। मंदिरों में धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का निर्वहन केवल संस्कृति से जुड़े नैतिक एवं चरित्रसम्पन्न लोगों को ही सौंपा जाना चाहिए।

आईएएस मिश्रा की मेहनत से एक महीने में ही दिखने लगी स्वच्छता

इंदौर को लगातार आठवीं बार भी नंबर-1 बनाने के तैयारी

इंदौर। स्वच्छता में लगातार आठवीं बार नंबर-1 लाने के लिए अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा की मेहनत का ही परिणाम है कि स्वच्छता में पिछड़ता इंदौर एक बार फिर अव्वल आने के लिए ताल ठोक रहा है। हालांकि अपर आयुक्त मिश्रा को स्वच्छ भारत मिशन की कमान संभाले हुए अभी एक महीने के लगभग ही हुआ है इतने कम समय में ही शहर में फिर स्वच्छता का माहौल दिखने लगा है। जहां चौराहे और गली मोहल्ले मैं एक महीने पहले कचरा दिखाई देता था वहीं अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा के स्वच्छ भारत मिशन की कमान संभालते ही शहर में कचरा गंदगी का नामोनिशान मिट गया है। अपने तल्ख लहजे और काम के प्रति लगन, मेहनत से अपर आयुक्त मिश्रा एक बार फिर शहर को स्वच्छता में नंबर-1 लाने के लिए तैयारी की ओर अग्रसर

कर दिया है। स्वच्छ भारत मिशन की कमान जब से आईएएस अभिलाष मिश्रा ने संभाली है तब से स्वच्छता के लिए एक बार फिर शहर दावा ठोकने की तैयारी में आ गया है। अपर आयुक्त मिश्रा ने अपने कमान संभालने के पहले ही दिन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट कर दिया कि स्वच्छता के लिए किसी भी कार्य में कौताही बरती तो अंजाम भुगतना होगा। स्वच्छता के लिए अपर आयुक्त मिश्रा अलसुबह से ही विभिन्न वार्डों और क्षेत्र के दौरे पर निकल पड़ते हैं। इस दौरान सफाई में कमी पाए जाने पर जहां अपर आयुक्त मिश्रा ने सफाई कर्मचारी और अधिकारियों को समझाइश दी वहीं तल्ख लहजा अपनाते हुए कहीं दरोगा और सीएसआई का वेतन भी काटने के आदेश जारी किए। इतना ही नहीं स्वच्छता में लापरवाही करने पर अपर आयुक्त मिश्रा ने एक सीएसआई को तो डिमोशन करते हुए दरोगा बना दिया। वहीं एक दरोगा को सफाईकर्मी बनने के आदेश जारी कर दिए। अपने इस कठोर रवैये से अपर आयुक्त मिश्रा ने यह साबित किया कि सफाई में कोई कौताही नहीं बरती जाएगी।

वॉकी-टॉकी पर भी देते रहते हैं निर्देश-विभिन्न कामों को लेकर अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा समय-समय पर मातहत अमले को वॉकी-टॉकी पर भी निर्देश देते रहते हैं। स्वच्छ भारत मिशन को लंबे समय बाद ऐसा कोई अपर आयुक्त मिला है जो वायरलेस सेट पर भी एक्टिव दिखाई देता है। अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा की मेहनत और लगन देख यह पूरा विश्वास है कि इंदौर शहर स्वच्छता में आठवीं बार भी अव्वल आएगा।

कचरा गाड़ियां भी पहुंचने लगी समय पर

अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा के ही काम के प्रति लगन और सख्त रवैया का परिणाम है कि अब कचरा गाड़ियां घर-घर से कचरा लेने के लिए समय पर पहुंचने लगी है। कुछ समय से आलम ऐसा था कि कचरा गाड़ियां समय पर पहुंच ही नहीं रही थी, लेकिन मिश्रा के कमान संभालते ही न केवल कचरा गाड़ियां बदल दी गई बल्कि अब समय पर भी घर-घर से कचरा कलेक्शन के लिए पहुंच रही हैं। सिर्फ इतना ही नहीं किसी भी प्रकार की समस्या होने पर अपर आयुक्त मिश्रा उसे त्वरित रूप से निराकरण भी कर देते हैं। हर समय एक्टिव भी रहते हैं।

संस्था आनंद के शिविर में हुआ 338 यूनिट रक्तदान

इंदौर। आज गांधी हॉल परिसर में संस्था आनंद हैं के द्वारा भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसके फलस्वरूप 338 यूनिट रक्त प्राप्त हुआ। रक्तवीरों ने अपना बहुमूल्य रक्तदान देकर इंदौर शहर को गौरवान्वित किया। रक्त महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय के जरूरतमंद बच्चों , थैलेसीमिया व सिकल सेल एनीमिया एवं अन्य मरीजों के जीवन को संबल देगा। गत वर्ष भी भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था । यह अपने आप में भावनात्मक था। चूंकि गांधी हॉल प्रांगण हेरिटेज है। यहां पर 338 लोगों ने रक्तदान किया एवं अनेक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। आयोजन का लोकार्पण महापौर पुष्यमित्र

भार्गव द्वारा किया गया। रक्तदान में महाराजा यशवंतराव अस्पताल की टीम में डॉ. नरेंद्र वर्मा, डॉ.रामू ठाकुर की टीम द्वारा रक्तदान का भव्य रूप में संचालन किया गया। 40 लोगों की टीम ने रक्त का संग्रहण किया। तकरीबन 25 बेड रक्तदान हेतु लगाए गए थे जिससे की सुचारू रूप से रक्तदान चल सकें। रक्तदान सुबह 10 बजे प्रारंभ हुआ और शाम को 6.30 बजे समापन हुआ। इस कार्य को महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय के अधीक्षक प्रो. डॉ. अशोक यादव, महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ.संजय दीक्षित द्वारा इसका प्रबंधन किया गया।

शिविर में डॉक्टर और नर्सों को आत्म रक्षा की ट्रेनिग दी

इंदौर। मार्शल आर्ट और जुडो कराटे ट्रैनर दिनेश मटके ने महिला डॉक्टर और नर्सो को जूडो कराटे के साथ साथ आत्म रक्षा की ट्रैनिंग दी। महिला आत्मरक्षा शिविर मालवा मिल स्थित एक निजी हॉस्पिटल में हुआ था। इस मौके पर डॉ. मनीष बिंदल, चान्सी मटके , श्रधा शुक्ला, विजय बरेठिया, प्रिया परिहार, मोहन सिह,चौहान और आर्यन राजपूत, विशेष रूप से उपस्थित थे।

दिनेश मटके ने बताया कि आज हर महिला डॉक्टर और नर्सो को अपनी आत्मरक्षा करते आनी चाहिए,क्योंकि कई बार महिला डॉक्टर और नर्सो को अकेले में भी अपनी ड्यूटी निभाना पड़ती है। सबसे ज्यादा संकट रात की ड्यूटी के समय आता है जब महिलाओ के पास और कोई नहीं होता है और सुरक्षा संबंधी कोई साधन भी नहीं होते है। पिछले दिनों कोलकाता में स्थित एक हॉस्पिटल में महिला नर्स के साथ बलातकार कर उसकी हत्या करने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना हो चुकी है। ऐसी घटनाओ के बाद महिला डॉक्टर और नर्सो की सुरक्षा पर कई सवाल खड़े हो गए। मटके ने बताया कि मध्य प्रदेश के किसी निजी हॉस्पिटल में महिलाओ को जुडो कराटे और आत्म रक्षा का यह पहला आयोजन था।

अब ऑनलाइन खरीद सकेंगे इंदौर सिटी बस के टिकट

इंदौर। इंदौर में सिटी और आई बसों में सफर करने वाले यात्रियों को अब खुल्ले पैसे लेकर सफर करने की झंझट से छुटकारा मिलेगा। दरअसल अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड (एआईसीटीएसएल) जल्द ही इन बसों में यूपीआई से टिकट लेने की व्यवस्था करने जा रहा है। साथ ही शहर में जर्जर हो चुके सिटी बस स्टाप को भी बदलने जा रहा है। शुरुआत में 200 नए सिटी बस स्टाप बनाए जाएंगे, जिसके टेंडर जारी हो चुके हैं। एआईसीटीएसएल सीईओ दिव्यांक सिंह ने बताया कि पीपीपी मोड पर 200 बस शेल्टर बनाने के टेंडर जारी किया गया है। टिकट पर विज्ञापन-इसके माध्यम से राजस्व जनरेट होगा। बीआरटीएस पर बस स्टैंड, बस और रोल टिकट पर विज्ञापन के माध्यम से राजस्व जुटाया जाएगा, इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन दोनों माध्यम से कोशिश की जाएगी कि कंपनी घाटे में न रहे। शुरुआत में आपरेटर द्वारा तय टाइमिंग पर ही बसों का संचालन किया जाता था, लेकिन एआईसीटीएसएल द्वारा निगरानी नहीं रखने और लापरवाही के चलते वर्तमान में कई रूट पर सिटी बसें सवारी बैठाने की होड़ में आगे-पीछे चलती हैं। दो बसों के बीच समय अंतराल भी खत्म हो चुका है। एक साथ दो बसें सड़क पर खड़ी होने पर जहां अन्य वाहन चालक परेशान होते हैं, वहीं विवाद की स्थिति भी बनती है। सीईओ सिंह ने बताया कि सिटी बसों और उनके रूट को रिशेड्यूल किया जा रहा है।

सरकारी स्कूलों के छात्र भी पढ़ेंगे एनसीईआरटी की किताबों से

इंदौर। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को प्राइवेट स्कूलों के स्टूडेंटों से बेहतर बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग लगातार कोशिश कर रहा है। इसी के तहत अब सरकारी स्कूलों में भी एनसीईआरटी की किताबें अनिवार्य किए जाने की योजना बनाई गई है। विभाग ने एनसीईआरटी की किताबों से पढ़ने के लिए टीचरों को ट्रेनिंग भी देना शुरू कर दी है। विभागीय सूत्रों की मानें तो विभाग पहले हाई स्कूल लेवल की कक्षाओं को एनसीईआरटी की किताबों से पढ़ने की तैयारी कर रहा है। जानकारी अनुसार शिक्षा विभाग ने शुरुआत में नौवीं और ग्यारहवीं की कक्षाओं में ही एनसीआरटी की किताबों से पढ़ने की तैयारी की है।

मध्यप्रदेश, सौर ऊर्जा प्रदेश बनने की ओर अग्रसर

रीवा सौर परियोजना को हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने केस स्टडी के रूप में किया शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में जहाँ एक ओर विश्व की सबसे बड़ी रीवा सौर परियोजना स्थापित होकर शुरू हो चुकी है। इस परियोजना को हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने केस स्टडी के रूप में शामिल किया है। इसके साथ ही ओंकारेश्वर में माँ नर्मदा नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी 600 मेगावाट क्षमता की फ्लोटिंग सोलर परियोजना भी विकसित की जा रही है। इसके अलावा प्रदेश के विभिन्न अंचलों में भी सौर ऊर्जा की कई छोटी-बड़ी परियोजनाएँ निर्माणाधीन हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाल ही में गुजरात के गांधी नगर में नवकरणीय ऊर्जा को लेकर हुई राष्ट्रीय समिट में अनेक उद्योगपतियों ने मध्यप्रदेश में सौलर प्लांट लगाने की इच्छा जाहिर की है। राजधानी भोपाल में सरकारी भवनों और नागरिकों को अपने घर की छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिये अभियान चलाया जायेगा। इन सभी प्रयासों से मध्यप्रदेश, सौर ऊर्जा प्रदेश बनने की अग्रसर हो गया है।

आदर्श उदाहरण के रूप में पढ़ाया जा रहा है हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में-दुनिया की सबसे प्रसिद्ध हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में मध्यप्रदेश स्थित विश्व के सबसे बड़े रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर पॉवर पार्क और प्लांट के उत्कृष्ट प्रबंधन, संचालन और सौर ऊर्जा उत्पादन को आदर्श उदाहरण के रूप में पढ़ाया जा रहा है। रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर पावर प्लांट न सिर्फ़ विश्व का सबसे बड़ा प्लांट है बल्कि विश्व में सबसे सस्ती दर पर व्यावसायिक उर्जा उत्पादन करने वाला प्लांट भी है। यहां से 3 रूपये 30 पैसे प्रति यूनिट बिजली अगले 25 सालों के लिए उपलब्ध हो सकेगी। मध्यप्रदेश में भरपूर सौर ऊर्जा है। यहां 300 से ज्यादा दिनों तक सूर्य का प्रकाश रहता है। विश्व बैंक के क्लीन टेक्नालाजी फंड के माध्यम से वित्त पोषित देश की पहली सौर परियोजना है। आज विश्व के 10 सर्वाधिक बड़ी सोलर परियोजनाओं में से आधी भारत में है। रीवा सोलर पॉवर प्लांट इनमें से एक है।

कैसे हुई शुरूआत-भारत सरकार ने वर्ष 2014 में सोलर पार्क योजना की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य सोलर पॉवर को बढ़ावा देना था। इस योजना में 500 मेगावाट क्षमता से ज्यादा की सोलर परियोजनाओं को सोलर पार्क में शामिल किया गया और उन्हें अल्ट्रा मेगा सोलर पार्क कहा गया। केस स्टडी में बताया गया कि भारत में 4 लाख 67 हजार वर्ग मीटर बंजर भूमि आंकी गई है। इसका उपयोग सोलर प्लांट लगाने में किया जा सकता है। मध्यप्रदेश में 1579 हेक्टेयर जमीन का आकलन किया गया, जिसमें 1255 हेक्टेयर बंजर जमीन सरकारी और 384 हेक्टेयर प्राइवेट जमीन शामिल है । इस प्रकार रीवा सोलर अल्ट्रा मेगा सोलर प्लांट बनने की शुरुआत हुई।

रीवा सोलर पावर प्लांट की यात्रा दिलचस्प है। इसकी शुरुआत जून 2014 में बड़वार गांव में 275 हेक्टेयर जमीन आवंटन के साथ शुरू हुई। राज्य सरकार ने अप्रैल 2015 में रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर प्लांट की स्थापना का अनुमोदन किया। दो महीने बाद रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड की स्थापना हुई जिसमें म.प्र. ऊर्जा विकास निगम और एसईसीआई के साथ 50 -50 प्रतिशत का जॉइंट वेंचर स्थापित हुआ। इसके बाद बड़वार, बर्सेटा देश, बरसेटा पहाड़, इतर पहाड़, रामनगर पहाड़ गांवों में 981 हेक्टेयर जमीन का आवंटन हुआ। वर्ष 2018-19 तक और भी गांव में उपलब्ध बंजर जमीन को परियोजना के लिए आवंटित किया गया। अप्रैल 2019 में दिल्ली मेट्रो रेलवे कॉर्पोरेशन को पावर सप्लाई देना शुरू हुआ।

खुले बाजार से 5 हजार करोड़ का कर्ज लेगी मध्य प्रदेश सरकार

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार एक बार फिर खुले बाजार से दो चरणों में पांच हजार करोड़ रुपए का कर्ज लेने जा रही है। यह कर्ज 25 सितंबर को लिया जाएगा। राज्य सरकार पहले चरण में ढाई हजार करोड़ रुपए का कर्ज लेगी। यह कर्ज रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के मुंबई आफिस के जरिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के कोर बैंकिंग साल्युशन ई-कुबेर सिस्टम के जरिए लिया जाएगा। इसके लिए 24 सितंबर को सुबह साढ़े दस से साढ़े ग्यारह बजे के बीच वित्तीय संस्थाओं से प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं, जो सफलतम बिडर होगा जो राज्य सरकार की शर्तों पर सबसे कम दरों पर राज्य को कर्ज देने को तैयार हो जाएगा उससे 25 सितंबर यह कर्ज लिया जाएगा। इस कर्ज की अदायगी बारह वर्ष के अंतराल से 25 सितंबर 2036 तक की जाएगी। दूसरा कर्ज ढाई हजार करोड़ का लेने के लिए 24 सितंबर को ही प्रस्ताव आमंत्रित किए गए है। सक्सेसफुल बिडर्स से यह कर्ज सरकार 25 सितंबर 2024 को लेगी। लेकिन यह कर्ज ज्यादा अवधि याने 19 साल के लिए लिया जाएगा। इसकी अदायगी 25 सितंबर 2043 को की जाएगी। यह कर्ज भी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के कोर बैंकिंग साल्युशन के जरिए ई-कुबेर सिस्टम पर ऑनलाईन लिया जाएगा।

राज्य पर 3 लाख 75 हजार करोड़ का कर्ज-राज्य सरकार पर इस समय 3 लाख 5 हजार 58 करोड़ रुपए का कर्ज है। इसमें बाजार से लिया गया कर्ज 2 लाख 3 हजार 812 करोड़ का है। इसके अलावा पावर बांड और कंपनसेशन के जरिए 5 हजार888 करोड़, वित्तीय संस्थाओं से लोन 15 हजार 248 करोड़, केन्द्र सरकार से लोन और एडवांस के रुप में 62 हजार 12 करोड़, अन्य दायित्व 19 हजार 195 करोड़ और स्पेशल सिक्योरिटी राष्ट्रीय बचत योजना से लिया गया 38 हजार 421 करोड़ रुपए की राशि शामिल है।

टूट रहा डिजिटल इंडिया का सपना, अपडेट नहीं हो रही सरकारी वेबसाइट

***भोपाल।** देशभर के सभी सरकारी दफ्तरों को पेपरलेस करने की मंशा से 9 साल पहले डिजिटल इंडिया योजना की शुरुआत की गई। इसके बावजूद प्रदेश के कई विभागों की वेबसाइट कई महीनों ही नहीं, बल्कि सालों से अपडेट नहीं की गई हैं। अगर कोई व्यक्ति सरकार की योजनाओं या सरकार के वर्तमान सर्कलर, नोटिफिकेशन या टेंडर की जानकारी ऑनलाइन लेना चाहे, तो यह मुमकिन नहीं है। हद तो यह देखने को मिल रहा है कि कई विभागों के अधिकारी बदल गए हैं, लेकिन वेबसाइट पर अभी भी उनका नाम दर्ज है। जिम्मेदार अधिकारी अव्यवस्था को ठीक करवाने में दिलचस्पी नहीं ले रहे, जिसके कारण यह हालात बने हैं।*

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 जुलाई 2015 को डिजिटल इंडिया की लाँचिंग की, जिसके बाद प्रदेशभर के सरकारी दफ्तरों में लागू करवाया गया। अब अधिकारियों व कर्मचारियों को इसे अमल में लाने के लिए पसीने छूट रहे हैं। हालांकि जनसंपर्क, गृह, जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं, जल संसाधन, जनजातीय कार्य, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, सहकारिता, उच्च शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास एवं आवास, किसान कल्याण तथा कृषि विभाग की वेबसाइट हमेशा अपडेट रहती है।

सरकारी पोर्टल बने परेशानी का सबब-सतना के लालचंद लालवानी सरकारी विभागों में फायर सेफ्टी किट की सप्लाई करने का काम करते हैं। इस व्यवसाय को बढ़ाने के लिए उन्होंने उद्योग विभाग के जिला अधिकारियों से संपर्क करने के लिए विभाग की वेबसाइट पर क्लिक किया। लेकिन, उन्हें अधिकारियों के संपर्क नंबर नहीं मिले। सागर के नरेन्द्र खटीक कहते हैं कि उन्हें उद्योग विभाग की वेबसाइट में हिंदी में कोई जानकारी नहीं मिल रही। कटनी के रिजवान खान जिले में बिगड़ी परिवहन व्यवस्था की जानकारी प्रमुख सचिव तक पहुंचाना चाहते हैं लेकिन विभाग के पोर्टल में फैज अहमद किदवई का नाम है जो एक साल से अधिक समय से दिल्ली में पदस्थ हैं। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव विज्ञान और प्रोद्योगिकी संजय दुबे से कई बार संपर्क किया लेकिन वे उपलब्ध नहीं हो सके। राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव वर्तमान में विवेक पोरवाल हैं, पर पोर्टल में निकुंज श्रीवास्तव पीएस के नाम पर दर्ज हैं। जबकि श्रीवास्तव यूएसए में विश्व बैंक के कार्यपालक निदेशक के वरिष्ठ सलाहकार के पद पर नियुक्त हो चुके हैं। राज्य सरकार की अधिकांश अधिकृत वेबसाइट अपडेट नहीं होने से प्रदेश ही नहीं बल्कि देश तथा अन्य देशों में बैठे लोग आवश्यक जानकारी उपलब्ध नहीं कर पा रहे हैं। प्रदेश में करीब 120 सरकारी पोर्टल हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने कई बार विभागों को अपडेट रहने पत्र भी लिखे हैं। मंत्रालय में बैठ रहे विभागीय अफसर भी हर दिन अपना पोर्टल देखते हैं फिर भी खामियां नहीं पकड़ पा रहे।

बाढ़ एवं अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त सड़कों को शीघ्र बनाने की कार्यवाही की जाएगी- मंत्री श्री पटेल

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास,श्रम एवं प्रभारी मंत्री प्रहलाद पटेल भिण्ड जिले के विकास खण्ड लहार के ग्राम विजपुर, विकास खण्ड मेहगांव के ग्राम कछपुरा, ग्राम गुदावली एवं गोहद विकास खण्ड के मौ में पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने मौके पर संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री पटेल के साथ विभिन्न बाढ़ पीड़ित ग्रामों में नवीन एवं नवकरणीय उर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, क्षेत्रीय सांसद संध्या राय सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित थे।

उन्होंने गांव के लिए क्षतिग्रस्त रोड का बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही प्रधानमंत्री आवास के संबंध में कहा कि जिन लोगों को मकान आवंटित किये गये है उनकी सूची का परीक्षण किया जाए और पात्र व्यक्तियों के यदि योजना के लिए नाम छूट गए है तो नियमानुसार उनके नाम जोड़े जाएं । उन्होंने कहा कि गांव में बाढ़ के कारण सड़कें, मकान, स्कूल की बाउण्ड्री वाल क्षतिग्रस्त हुई है उसे तत्काल बनाया जायेगा। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों की हर संभव सहायता करने का आश्वासन दिया। ग्राम विजपुर में क्षेत्रीय विधायक श्री अम्बरीश शर्मा के द्वारा रखी गई सभी मांगो का प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने सहमत होते हुए पूरा करने का आश्वासन दिया।

मंत्री श्री पटेल ने ग्राम मौ, गुदावली एवं कछपुरा में अतिवृष्टि से पीड़ित लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं के समाधान का आश्वास दिया। साथ ही ग्राम कछपुरा एवं गुदावली में वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हुए मकान, रोड आदि के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि मुख्य मार्ग से गुदावली गांव की ओर जाने वाली सड़क एवं पुलिया बनाई जा रही है, उसकी ऊंचाई में बढोत्तरी की जाए और अच्छी गुणवत्ता के साथ शीघ्र बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही दिए। ग्राम कछपुरा में नदी के बढते जल स्तर के कारण जो मकान डूब जाते हैं, उन लोगो से कहा कि आप लोग की सहमति पर गांव में उपलब्ध शासकीय भूमि पर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देकर विस्थापन की कार्यवाही कराई जाएगी। मंत्री श्री पटेल ने रावतपुराधाम पहुंचकर हनुमान जी के दर्शन कर पूजा अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने दंदरौआधाम पहुंचकर महंत रामदास महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया।

नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के अनूठे उदाहरण प्रस्तुत किये मध्यप्रदेश ने-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में सफाई मित्रों का हो रहा सम्मान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन को देश भर में व्यापक आंदोलन शुरू कर स्वच्छ भारत की परिकल्पना को साकार करने के जो लक्ष्य निर्धारित किये उन्हें प्राप्त करने में मध्यप्रदेश ने देश में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। स्वच्छता को सर्वोपरि मानते हुए इंदौर ने सफाई की जो अलख जगाई है, वह पूरे देश में उदाहरण बन चुकी है। इंदौर के नाम लगातार 7 बार देश को स्वच्छतम शहर बने रहने का रिकार्ड है। इंदौर ही देश का पहला वाटर प्लस शहर भी बना है और भोपाल देश की सबसे स्वच्छ राजधानी है।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव का प्रदेशवासियों से आहवान- मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने प्रदेशवासियों से आहवान किया है कि सभी नागरिक संकल्प लें की न तो वे गंदगी फैलाएंगे और न किसी को फैलाने देंगे। अपने आसपास सफाई रखेंगे और लोगों को भी सफाई के लिए प्रेरित करेंगे, तभी सच्चे अर्थों में स्वच्छता ही सेवा अभियान सफल होगा। उन्होंने कहा कि हम सबको सफाई मित्र बनकर अभियान को सफल बनाना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्म दिन 17 सितम्बर से प्रारंभ हुए स्वच्छता ही सेवा अभियान में एक बार फिर मध्यप्रदेश पूरे जुनून के साथ जूट गया है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति मंत्रीगण, जन-प्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, समाजसेवी और सामाजिक संगठनों के साथ नागरिक भी सजग होकर महती भूमिका निभा रहे हैं। प्रदेशवासियों और हमारे सफाई मित्रों के मनोबल बढ़ाने के लिये राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने भी अपने उज्जैन प्रवास के दौरान सफाई मित्रों से संवाद कर उन्हें सम्मानित किया और श्रीमहाकाल

लोक परिसर में झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। यह मध्यप्रदेश के लिये गर्व की बात है।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि स्वच्छता के सभी आयामों पर मध्यप्रदेश खरा उतर रहा है। राज्य सरकार ने सिंगल यूज प्लास्टिक एवं खुले में मांस-मछली के विक्रय पर प्रतिबंध लगाया है। प्रदेश में जीरो वेस्ट को प्रोत्साहन देने के लिये नगरीय निकायों में जीरो वेस्ट इवेंट भी जारी किये जा रहे हैं। प्रदेश में 401 नगरीय निकायों में सूखे एवं गीले कचरे के प्र-संस्करण के लिये सेंट्रल कम्पोस्टिंग और मटेरियल रिकवरी के लिये इकाइयों की स्थापना की गयी है, जिनसे कम्पोस्ट खाद बनायी जा रही है। प्रदेश में 324 शहरों को सफाई मित्र सुरक्षित शहर घोषित किया गया है। साथ ही सफाई मित्रों की कार्यक्षमता संवर्धन के लिये समय-समय प्रशिक्षण भी आयोजित किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि हाल ही में रीवा नगरपालिका निगम में 158 करोड़ 67 लाख रूपये की लागत से वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट स्थापित किया गया है। इस प्लांट से प्रतिदिन 340 टन कचरे का ट्रीटमेंट किया जा रहा है। साथ एक दिन में 6 मेगावाट बिजली भी उत्पन्न की जा रही है। सात हजार से अधिक कचरा संग्रहण वाहन प्रतिदिन घर-घर जाकर कचरा संग्रहित कर रहे हैं। प्रदेश के सभी गांव ओडीएफ हैं और अब तक 78 लाख 31 हजार व्यक्तिगत शौचालय और 16 हजार 900 से अधिक सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का निर्माण किया जा चुका है। प्रदेश के 44 हजार से अधिक गांवों को सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, 48 हजार से अधिक ग्रामों को लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट और 41 हजार से अधिक ग्रामों को आडीएफ प्लस मॉडल बनाया गया है।

स्वच्छता अभियान में हो रहे हैं अभिनव नवाचार- प्रदेश में 17 सितम्बर से प्रारंभ हुए स्वच्छता ही सेवा अभियान में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता की अलख जगाई जा रही है। हर स्तर पर नागरिकों को स्वच्छता संबंधी शपथ दिलाने के साथ प्रेरित भी किया जा रहा है। स्वच्छता-मित्रों को सम्मानित कर उनके हौंसले को बढ़ाना और उनके साथ सफाई कार्य करने के लिये मंत्रीगण और जन-प्रतिनिधि भी अपने-अपने क्षेत्रों में सफाई कार्य में जुटे हुए हैं। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा नगर निगम क्षेत्र में सैनिक कैंटीन से नीम चौराहा तक बोडाबाग रोड पर श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया और सफाई-मित्रों को सम्मानित किया। रीवा के शासकीय एवं निजी शालाओं में स्वच्छता व्यवहार पर केन्द्रित कार्यक्रमों का आयोजन कर नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता लाई गई।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ग्वालियर नगर के लक्ष्मण तलैया क्षेत्र और मोनी बाबा आश्रम में झाड़ू लगाकर साफ-सफाई की और सफाई मित्रों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर में बीएसएनएल कार्यालय परिसर में अधिकारी-कर्मचारी और नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलवाई। ग्वालियर सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने जन-प्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ जिला चिकित्सालय परिसर में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। ग्वालियर कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान ने अधिकारी कर्मचारियों के साथ कलेक्ट्रेट एवं अन्य कार्यालयों में झाड़ू लगाकर साफ-सफाई की।

सागर में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने स्वच्छता पखवाड़े अंतर्गत सभी को स्वच्छता के लिये प्रेरित किया और जीरो वेस्ट थीम पर अभियान में सहयोग देने की अपील की। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को वर्ष में 100 घंटे स्वच्छता के कार्य करने की शपथ भी दिलवाई। जबलपुर में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने सरपंचों के साथ स्वच्छता संवाद कर ग्राम पंचायतों को स्वच्छ बनाने में सक्रिय रूप से कार्य करने की शपथ दिलाई। उन्होंने स्वच्छता कर्मियों का सम्मान कर उन्हें सेफ्टी किट प्रदान की। जबलपुर शहर में मोहल्ला सभाओं का आयोजन कर स्वच्छता का संदेश दिया गया।

इसी प्रकार प्रदेश के सभी जिलों में जन-भागीदारी के साथ स्वच्छता पखवाड़ा निरंतर जारी है। स्थानीय नागरिकों को अभियान से जोड़ने के लिये जन-प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी अपने स्तर पर अनेक नवाचार भी कर रहे हैं, जिसके सफल परिणाम मानव जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा। साथ ही स्वच्छता के प्रति जागी अलख से प्रदेश के नगरीय और ग्रामीण क्षेत्र आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण-24 में बेहतर उपलब्धियां हासिल करेंगे।

बालाजी मंदिर में प्रसाद मामले को लेकर गुस्से में दिखे केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया

भोपाल। तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में मिलावट को लेकर दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की प्रतिक्रिया आई है। रविवार को सिंधिया ने तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में मिलावट को लेकर कहा कि बिल्कुल कार्रवाई होनी चाहिए। जो लोग इसके पीछे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में मिलावट को लेकर लोगों में रोष है। साधु-संत लगातार विरोध दर्ज करा रहे हैं, साथ ही पूरे मामले की जांच कराने की मांग कर रहे हैं। साधु-संतों का कहना है कि मामले में जो भी दोषी हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

मंदिर पहुंचे भक्तों ने क्या कहा?

वहीं, रविवार को तिरुपति बालाजी मंदिर पहुंचे भक्तों ने बताया कि उन्हें भी लड्डू के प्रसाद के संबंध में मीडिया के माध्यम से पता चला। हम चाहते हैं जल्द ही यह मामला खत्म हो जाए। बालाजी की कृपा सब पर बनी रहे। वहीं, दूसरे भक्त ने कहा कि अगर लड्डू में मिलावट की बात सच है, तो यह बेहद ही दुख की बात है। इससे यहां आने वाले लाखों भक्तों की आस्था को ठेस पहुंचती है।

महाकाल मंदिर का लड्डू बनाने का तरीका

तिरुपति बालाजी मंदिर में लड्डू विवाद सामने आने पर उज्जैन महाकाल मंदिर ने शनिवार को बताया था

कि उनके यहां पर लड्डू का प्रसाद कैसे तैयार किया जाता है। लड्डू का भोग लगाने के लिए मुख्य रूप से चने की दाल ली जाती है। बाजार के बेसन का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। प्रसाद में रवा, काजू, किशमिश और चीनी का बूरा मिलाया जाता है। मध्य प्रदेश शासन द्वारा अधिकृत शुद्ध घी का इस्तेमाल किया जाता है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने क्या कहा?

शनिवार को मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा था, अगर लोग इस तरह से सनातन धर्म के साथ खिलवाड़ करेंगे, तो यह बहुत ही शर्मनाक है। मैंने भी वहां का प्रसाद खाया है और मुझे नहीं मालूम है कि मैंने कौन सी चर्बी खाई है। मेरा मन बहुत अशांत है और इस घटना को लेकर गुस्सा भी है। जिन लोगों ने ऐसा काम किया है, उन्हें सजा मिलनी चाहिए।

मध्य प्रदेश में जैन कल्याण बोर्ड का गठन : समाज में खुशी की लहर

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हाल ही में मध्य प्रदेश में जैन कल्याण बोर्ड के गठन की घोषणा की, जिससे जैन समाज में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस घोषणा के साथ ही समाज के विभिन्न सदस्यों ने अपनी उम्मीदों और आकांक्षाओं को व्यक्त किया है। महापौर प्रतिनिधि भारत पारख के नेतृत्व में इंदौर से आए राजेश भंडारी, नेमीचंद आचलिया, कल्पना पटवा, राजेश जैन, अंकित चौपड़ा और मनीष भंडारी जैसे कई गणमान्य व्यक्तियों ने इस महत्वपूर्ण निर्णय का स्वागत किया।

इससे पहले, मुख्यमंत्री निवास पर एक सामूहिक क्षमा वाणी समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें कैबिनेट मंत्री चेतन कश्यप और अन्य प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया। इस अवसर पर सभी उपस्थित व्यक्तियों ने उत्तम क्षमा मिछामी दुकडम की भावना के

साथ एक-दूसरे से क्षमा मांगी और दी। समारोह का मुख्य उद्देश्य समाज में एकता और सद्भावना को बढ़ावा देना था। सभी ने मिलकर क्षमा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह भाव ही शांति और समरसता का आधार है। मंत्री चेतन कश्यप ने अपने संबोधन में कहा, क्षमा से मन के भार को हल्का किया जा सकता है,और यह सकारात्मक सोच का प्रतीक है। समारोह में शामिल सभी व्यक्तियों ने नई शुरुआत के लिए संकल्प लिया और समाज में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्राप्त की। इस प्रकार के आयोजनों ने समाज को जोड़ने और एकता के संदेश को फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जैन कल्याण बोर्ड का गठन इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

BOLLYWOOD UPDATE

ऑफ शोल्डर गाउन पहनकर एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने बिखेरा जलवा

साउथ इंडस्ट्री से बॉलीवुड में अपने ग्लैमर का तड़का लगाने वाली एक्ट्रेस पूजा हेगड़े आए दिन अपने परफेक्ट फैशन स्टेटमेंट्स से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। एक्ट्रेस पूजा हेगड़े आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कर अक्सर फैंस को दीवाना बनाए रहती हैं। उनका स्टनिंग

लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवातर देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस की ये तस्वीरें लंदन फैशन वीक के दौरान की है। इस इवेंट में उन्होंने रेड कलर का बेहद ही स्टाइलिश ऑफ शोल्डर गाउन पहना हुआ था, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

100 करोड़ के अपार्टमेंट में जल्द शिफ्ट होंगे दीपिका-रणवीर

स्टार कपल दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने 8 सितंबर को अपने पहले बच्चे का वेलकम किया है। एक्ट्रेस ने एक बेटी को जन्म दिया है. मां बनने के एक हफ्ते बाद ही अब दीपिका पादुकोण ने एक नया घर खरीदा है। ये घर उनकी सास अंजू भावनानी के बांद्रा वाले अपार्टमेंट के करीब है जिसमें उनकी बेटी रितिका अपने पति जुगजीत सिंह भावनानी के साथ किराए पर रहती हैं। दीपिका पादुकोण का ये नया अपार्टपेंट सागर रेशम कॉर्पोरेटिंग हाउसिंग सोसाइटी में है। इस सोसाइटी में 4 बीएचके और 5 बीएचके अपार्टमेंट

शामिल हैं। दीपिका का फ्लैट 15वीं मंजिल पर है।

रिपोर्ट की मानें तो इस प्रॉपर्टी के लिए एक्ट्रेस ने 1.07 करोड़ रुपए स्टैम्प ड्यूटी भरी है और 30,000 रजिस्ट्रेशन के लिए अदा किए हैं। ये फ्लैट दीपिका पादुकोण की उस कंपनी के नाम से की गई है जिसके को-ओनर उनके पिता प्रकाश पादुकोण हैं। 171.47 स्क्वायर मीटर में बने एक्ट्रेस के इस अपार्टमेंट की कीमत 17.8 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इस अपार्टमेंट के साथ उन्हें एक कार पार्किंग की सुविधा भी मौजूद है। बता दें कि इससे पहले ही दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह का बांद्रा में एक अपार्टमेंट डेवलपमेंट फेज में हैं जो बहुत जल्द पूरा होने वाला है। इसकी कीमत 100 करोड़ रुपए बताई जा रही है। खास बात ये है कि ये घर शाहरुख खान के मन्नत के करीब है।

करीना कपूर के हाथ लगी सबसे बड़ी पैन इंडिया फिल्म

करीना कपूर बॉलीवुड की खूबसूरत हसीना हैं, जिन्होंने ढेर सारी हिट फिल्में दी हैं। करीना को बॉलीवुड में 25 साल पूरे हो गए हैं और इन दिनों वह अपनी फिल्म द बकिंघम मर्डर्स की रिलीज के बाद लोगों के मिल रहे अच्छे रिव्यू को एन्जॉय कर रही हैं। करीना कपूर ने इस फिल्म में एक डिटेक्टिव का रोल निभाया है। वहीं, अब करीना कपूर के हाथ एक नया प्रोजेक्ट लग गया है। करीना कपूर को भारत की सबसे बड़ी पैन इंडिया फिल्म ऑफर हुई है, जिसे करीना कपूर ने बिना देर किए हां कर दी है। मीडिया रिपोर्ट माने तो करीना कपूर ने भारत की सबसे बड़ी पैन इंडिया फिल्म साइन की है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये फिल्म भारत की सबसे बड़ी फीचर फिल्म होगी, जिसका थ्रिलर लोगों को काफी पसंद आएगा। इस फिल्म में करीना कपूर एक ऐसे किरदार में नजर आएंगी, जो उन्होंने अपने 25 साल के करियर में नहीं निभाया है। आपको बता दें कि फिल्म को लेकर अब तक ज्यादा अपडेट नहीं आया है, लेकिन दावा है कि इस फिल्म की शूटिंग 2025 में शूरू हो जाएगी और साल 2026 में ये फिल्म सिनेमाघरों में धमाका कर देगी।

कलर्स के 'खतरों के खिलाड़ी 14' के प्रतियोगियों को टाइगर श्रॉफ, विक्रांत मैसी और करण वाही से प्यार मिला

जबकि कलर्स का 'खतरों के खिलाड़ी 14' फिनिश लाइन के नज़दीक पहुंच रहा है, सेमीफिनाले एक्शन से भरपूर होने वाला है, जहां प्रतियोगी डर की सरज़मीं पर अनुभवी सैलानी बन गए हैं! लेकिन अंतिम बोर्डिंग कॉल से पहले, भरपूर ड्रामा, हंसी और रोमांचक स्टंट का मज़ा मिलने वाला है। दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा की नकल करते हुए, करण वीर मेहरा ने पूरे जोश से पूरे शो में अभिषेक कुमार की किस्मत का मज़ाक उड़ाया, जिससे दर्शक और रोहित शेट्टी हंस-हंसकर लोट-पोट हो गए। करण ने शालीन के सिग्नेचर वॉक की नकल भी की, लेकिन रोहित शेट्टी उनकी इस नकल से स्पष्ट रूप से असंतुष्ट थे, जिन्होंने खुद आगे बढ़कर शालीन की तरह चलने की मास्टरक्लास देनी शुरू कर दी, जिससे हर कोई हंसने लगता है। टाइगर श्रॉफ ने अपनी बहन कृष्णा श्रॉफ को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह अक्सर उन्हें 'फट्टू' कहकर बुलाते थे, लेकिन उन्होंने जो स्टंट्स किए थे वह उनके आधे स्टंट भी नहीं कर पाएंगे! देखते रहिए हुंडई की प्रस्तुति खतरों के खिलाड़ी, चार्ज्ड द्वारा प्रायोजित, स्पेशल पार्टनर इंडिका ईज़ी हेयर कलर, विक्स और बर्जर पेंट्स, हर शनिवार-रविवार रात 9:30 बजे, केवल कलर्स पर।

बालों की चिपचिपाहट करें दूर

लंबे, खूबसूरत और शाइनीबाल किसी भी महिला की सुंदरता में चार-चांद लगा सकते हैं, परंतु बदलते मौसम का असर स्किन के साथ-साथ बालों पर भी पड़ता है। ऐसे में बाल बहुत ज्यादा चिपचिपे और ऑयली हो जाते हैं जो देखने में बहुत बुरे लगते हैं तथा आप इनसे कोई हेयर स्टाइल नहीं बना सकतीं, बालों से अजीब-सी बदबू भी आने लगती है। इसके अलावा चिपचिपे बाल मुंहासे, डैंड्रफ और हेयर फॉल का कारण भी बनते हैं।

गर्मियों में ऑयल ग्लैंड्स के ज्यादा एक्टिव होने के कारण ऐसा होता है। सीबम के सिर की स्किन पर जमने से बाल चिपचिपे हो जाते हैं। बालों के चिपचिपे होने का कारण हार्मोन बदलाव एवं स्ट्रैस भी होता है। हालांकि बालों की चिपचिपाहट दूर करने के लिए महिलाएं अच्छे शैंपू और हेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं, परंतु कुछ देर में ही ऑयल वापस आ जाता है। यदि आप इनसे निजात पाना चाहती हैं, तो आपको कुछ टिप्स अपनाने होंगे।

बालों को बार-बार टच न करें

अक्सर युवतियां बालों को बार-बार टच करती हैं, जिससे उनके हाथों का ऑयल बालों में लग जाता है तथा बाल चिपचिपे हो जाते हैं, अतः अपने बालों को बार-बार टच करना बंद कर दें। इसके अलावा बालों में साफ कंघे को ही इस्तेमाल करें तथा अपने कंघे को हफ्ते में कम से कम एक बार धोने की आदत डाल लें।

सही शैंपू ही चुनें

गर्मियों में बाल जल्दी चिपचिपे हो जाते हैं, इसलिए बालों को हफ्ते में कम से कम 3 बार धोना चाहिए तथा मॉयश्चर रहित शैंपू इस्तेमाल करें, ताकि आपके बाल जल्दी ऑयली न हों। इसके अलावा बालों को हमेशा ठंडे पानी से वॉश करें तथा कंडीशनर नजरअंदाज करें।

बालों को कवर करें

गर्मियों में बालों को धूप व उसकी तपिश से बचाने के लिए घर से बाहर निकलते समय स्कार्फ या छाते का इस्तेमाल करें। धूल-मिट्टी से भी बाल गंदे और ऑयली हो जाते हैं, ऐसा करने से आपका बचाव होगा।

डाइट में शामिल करें प्रोटीन

बालों को हेल्दी और मजबूत बनाने के लिए प्रोटीन से भरपूर डाइट लें, क्योंकि प्रोटीन की कमी से बाल बेजान और ऑयली हो जाते हैं। अपनी डाइट में मछली, अंडा, सोयाबीन, दालें और हरी सब्जियां पर्याप्त मात्रा में शामिल करें तथा बॉडी को हाइड्रेट रखने के लिए दिन में खूब सारा पानी पीएं।

गले में खराश और दर्द से छुटकारा दिलाने में रामबाण है अदरक

अदरक का इस्तेमाल कई तरह की परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए किया जाता है। इसके कई मेडिकल फायदे हैं, जिसमें से एक यह है कि ये गले की खराश को दूर करने में मदद करता है। गले में खराश होने पर आपको जो दर्द होता है वह गले में सूजन और खुजली के कारण होता है। सूजन आपके शरीर की संक्रमण के प्रति प्रतिक्रिया करने वाली इम्यूनिटी का परिणाम है। ऐसे में अदरक शरीर में प्रो-इंफ्लेमेटरी प्रोटीन को ब्लॉक करने में मदद करता है। ये प्रोटीन सूजन दर्द और खुजली का कारण बनते हैं। इसे अलग अलग तरह से इस्तेमाल किया जा सकता है।

सोंठ को चबाएं

गले की खराश से छुटकारा पाने के लिए आप सोंठ यानी कच्चे अदरक का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये आपको किसी भी किराना स्टोर पर मिल जाएगा। इले हल्का सा छील लें और फिर एक इंच अदरक के टुकड़े को काट कर चबा लें। थाड़ी देर चबाने के बाद इसका रस खत्म हो जाए तब आप इसकी जड़ को निगल सकते हैं।

अदरक की चाय

सबसे बेस्ट और आसान तरीकों की बात करें तो आप अदरक की चाय पी सकते हैं। गर्म अदरक की चाय गले की खराश को शांत करने का एक फेमस और इफेक्टिव तरीका है। ये चाय गले की सूजन में आराम देती है। इसे बनाने के लिए एक कप पानी में 2 इंच कच्ची अदरक को घिसकर डालें और चाय बनाएं। चाय को पांच मिनट तक ऐसे ही रहने दें, फिर छान लें।

सेक कर खाएं अदरक

अगर गले में बहुत ज्यादा खराश है और चाय नहीं पी सकते हैं तो अदरक के छोटे टुकड़े कर लें। फिर इसे सेकें और इस पर काला नमक डालें। इसे कुछ देर तक मुंह में रखें और इसके रस को निगलते रहें। दादी-नानी का ये नुस्खा बड़े काम का है।

योगासन से बढ़ाएं आंखों की रोशनी

प्रकृति का सबसे अनमोल उपहार हमारी आंखें हैं। इसे हिंदी में नयन, चक्षु, नेत्र, लोचन, नैन आदि भी कहते हैं। सनातन धार्मिक ग्रंथों में 5 इंद्रियों का वर्णन है। इनमें एक इंद्री दृष्टि है। इसकी मदद से हम आप दुनिया का दीदार करते हैं। वस्तु को पहचान पाने में सक्षम होते हैं। बढ़ती उम्र में आंखों की रोशनी कम होने लगती है। इसके अलावा लंबे समय तक लैपटॉप पर काम करने, टीवी देखने और मोबाइल सर्फिंग से भी आंखों की समस्या होती है। खासकर लैपटॉप और मोबाइल से निकलने वाली नीली रोशनी से आंखें अधिक प्रभावित होती है। चूंकि यह कुदरत का अनुपम गिफ्ट है। इसके लिए आंखों की समुचित देखभाल जरूरी है। आप डाइट में विटामिन-ए युक्त चीजों को शामिल कर आंखों की रोशनी बढ़ा सकते हैं। साथ ही रोजाना ये योगासन जरूर करें। इन योगासन को करने से आंखों की रोशनी बढ़ती है। आइए जानते हैं-

हलासन करें

हलासन हिंदी के दो शब्द 'हल' और 'आसन' से मिलकर बना है। इस योग को करने के दौरान शरीर हल की तरह दिखता है। इसके लिए इस योग को हलासन कहा जाता है। अंग्रेजी में 'प्लो पोज' कहते हैं। इस योग को करने से वजन कम करने में मदद मिलती है, शरीर को मजबूती मिलती है। साथ ही आंखों की रोशनी बढ़ती है।

चक्रासन करें

अंग्रेजी में चक्रासन को 'व्हील पोज' कहा जाता है। इस योग को करने के दौरान शरीर पहिए के समान दिखाई देता है। चक्रासन करने से कमर की मजबूती बढ़ती है। आंखों की रोशनी बढ़ती है। वजन कंट्रोल करने में भी मदद मिलती है। इसके अलावा, पाचन संबंधी विकार से निजात मिलता है।

उष्ट्रासन करें

ऊंट की मुद्रा में बैठकर योग करना उष्ट्रासन कहलाता है। इसके लिए उष्ट्रासन को अंग्रेजी में 'कैमल पोज' कहते हैं। उष्ट्रासन करना आसान नहीं होता है। इसके लिए कठिन अभ्यास की जरूरत पड़ती है। योग विशेषज्ञ की निगरानी में उष्ट्रासन करें। इस योग को करने से कमर दर्द में आराम मिलता है, शरीर लचीला होता है, साथ ही आंखों की रोशनी भी बढ़ती है।

आज की रेसिपी

'पनीर जलेबी'

स्वतंत्रता दिवस, जनमाष्टमी के मौके पर घर में तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं, तो अगर आप भी इस मौके पर मीठे में कुछ बनाने की सोच रही हैं, तो पनीर जलेबी का ऑप्शन है बेस्ट।

सामग्री :

फुल क्रीम दूध डेढ लीटर, नींबू का रस डेढ चम्मच, मैदा- 1 चम्मच, बेकिंग पाउडर आधा छोटा चम्मच, नमक चुटकी भर, पानी- 3 कप, चीनी- 2 कप, घी- 2 कप

विधि :

- पैन में दूध उबलने के लिए रख दें। जब दूध में उबाल आ जाए तो उसमें नींबू का रस डालें। इससे दूध फटने लगेगा। इसके बाद इसे छान लें और इस छेने को किसी मलमल के कपड़े में बांधकर टांग दें, जिससे इसका पूरा पानी निकल जाए। अब इस छेने में मैदा, बेकिंग पाउडर और नमक मिलाकर सारी चीजों को अच्छी तरह मिला लें और करीब 20 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें। उसके बाद मिश्रण को बाहर निकालें और उससे लंबी-लंबी रस्सी की तरह बनाकर जलेबियों का शेप दें।
- अब एक कढ़ाई में घी गर्म होने के लिए रख दें। जब घी अच्छे से गर्म हो जाए तो उसमें जलेबी को डालें और अच्छी तरह से फ्राई कर लें।
- इसी के साथ चाशनी तैयार होने के लिए रख दें। एक गहरे पैन में चीनी और पानी को तब तक उबालें जब तक कि वह गाढ़ी न हो जाए। चाशनी न ज्यादा गाढ़ी हो न ही पतली।
- जब चाशनी एक तार की हो जाए तो पनीर जलेबी को करीब 2-3 घंटे के लिए इसमें डालकर छोड़ दें। अब गरमागरम जलेबी सर्व करें।

भगवान शिव के रुद्र अभिषेक से पूरी होंगीं मनो-कामनाएं...

भगवान शिव की पूजा में रुद्राभिषेक का अपना ही महत्व है। भगवान शंकर की कृपा के बिना किसी भी देवी देवता की पूजा फलित नहीं होती है। रुद्राभिषेक शिव को प्रसन्न करने का सबसे आसान तरीका है। रुद्राभिषेक शिव मंदिर या घर में पार्थिव बनाकर कर सकते हैं। मान्यता है कि भगवान शिव की आराधना करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। ज्योतिषों के अनुसार, सावन माह में पड़ने वाले सोमवार को पूजा-पाठ और रुद्राभिषेक से विशेष लाभ मिलता है। सावन मास में सोमवार का विशेष महत्व है। शिव महापुराण के अनुसार शिव की उपासना और व्रतधारी को ब्रह्मा मुहूर्त में उठकर पानी में कुछ काले तिल डालकर स्नान करना चाहिए। इसके बाद भगवान शिव का अभिषेक जल या हो सके तो गंगाजल से करें। हमारे शास्त्रों में विविध कामनाओं की पूर्ति के लिए रुद्राभिषेक के पूजन के निमित्त अनेक द्रव्यों तथा पूजन सामग्री को बताया गया है। साधक रुद्राभिषेक पूजन विभिन्न विधि से तथा विविध मनोरथ को लेकर करते हैं। किसी खास मनोरथ की पूर्ति के लिए तदनुसार पूजन सामग्री तथा विधि से रुद्राभिषेक किया जाता है। दरअसल, रुद्र भगवान शिव का एक प्रसिद्ध नाम है। रुद्राभिषेक में शिवलिंग को पवित्र स्नान कराकर पूजा और अर्चना की जाती है। यह हिंदू धर्म में पूजा के सबसे शक्तिशाली रूपों में से एक है और माना जाता है कि इससे भक्तों को समृद्धि और शांति के साथ आशीर्वाद मिलता और कई जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस पूजा का सार यजुर्वेद से श्री रुद्रम के पवित्र मंत्र का जाप और शिवलिंग को कई सामग्रियों से पवित्र स्नान देना है जिसमें पंचमृत या फल शहद आदि शामिल हैं। विशेष पूजा में दूध, दही, घृत, शहद और चीनी से अलग-अलग अथवा सबको मिलाकर पंचामृत से भी अभिषेक किया जाता है। तंत्रों में रोग निवारण हेतु अन्य विभिन्न वस्तुओं से भी अभिषेक करने का विधान है। इस प्रकार विविध द्रव्यों से शिवलिंग का विधिवत अभिषेक करने पर अभीष्ट कामना की पूर्ति होती है।

सड़क किनारे लगने वाली सब्जी मंडियां हटाएगा निगम

दुकानदारों को खाली पड़ी जमीनों पर जगह देने की तैयारी

इंदौर। सड़क किनारे ठेले दुकान आदि लगाकर सब्जी बेचने वाले व्यापारियों पर निगम सख्ती दिखाने वाला है। निगम ऐसे व्यापारियों की दुकान अब सड़क किनारे से हटाकर पास ही खाली पड़ी जमीन या अन्य क्षेत्रों में जगह देने की तैयारी कर रहा है। हालांकि ऐसा पहली बार नहीं किया जा रहा है लेकिन निगम का कहना है कि सड़क किनारे सब्जी आदि बेचने के कारण न केवल वाहन चालकों को परेशानी होती है बल्कि आसपास के लोगों को भी शोर और गंदगी का सामना करना पड़ता है। इस कारण सड़क किनारे सब्जी फल आदि बेचने वाले छोटे दुकानदारों को अब इस क्षेत्र के खाली स्थान या वहां के करीब स्थित खाली जमीन पर जमीन दी जाएगी। वहां यह व्यापारी अपनी दुकान लगाकर रोजी-रोटी चला सकेंगे। उधर सब्जी व्यापारियों का कहना है कि यह व्यावहारिक रूप में पूर्ण तरह संभव नहीं है।

जानकारी अनुसार मालवा मिल, नंदानगर क्षेत्र, फूटी कोठी चौराहा, चंदन नगर आदि ऐसे स्थान है जहां सब्जी व्यापारी सड़क किनारे ठेले आदि लगाकर कारोबार करते हैं। सड़क किनारे ठेले आदि लगाने के

कारण कुछ यातायात भी बाधित होता है। राहगीर जो सब्जी फल आदि लेते हैं वह अपने वाहन सड़क पर ही खड़े कर देते हैं जिससे अन्य वाहन चालकों को भी परेशानी होती है। ऐसा लगभग संपूर्ण शहर में किया जाता रहा है। नगर निगम पहले ऐसे सड़क किनारे व्यापारियों से पर्ची देकर शुल्क वसूलता था, जो काफी समय से बंद हो चुका है। इसके बाद नगर निगम में कई बार सड़क किनारे छोटा-मोटा व्यापार करने वाले कारोबारी को हटाया। कई बार ऐसी सब्जी व्यापारियों के ठेले और अन्य सामान जप्त कर ट्रेंचिंग ग्राउंड भिजवा दिया गया। इसके बाद भी अपनी रोजी-रोटी चलाने के लिए यह छोटे सब्जी फल आदि बेचने वाले व्यापारी बार-बार सड़क किनारे ही अपनी दुकान लगा लेते हैं।

कई बार हटाए लेकिन फिर डटे

सड़क किनारे सब्जी फल आदि बेचने वालों को नगर निगम की टीम कई बार हटा चुकी है। इसके बावजूद यह सड़क किनारे सब्जी फल आदि बेचने का व्यापार बंद नहीं होता दिखाई देता है। सब्जी फल आदि बेचने वाले व्यापारियों का कहना है कि सड़क किनारे ही आने-जाने वाले लोग उनसे सामान खरीदते हैं। इससे उनकी रोजी-रोटी चलती है। वर्षों से हम यह काम कर रहे हैं और हमारी कोशिश रहती है कि सड़क पर किसी प्रकार से आवागमन बाधित न हो। अब हम इसके अलावा सब्जी बेचने जाए भी तो जाए कहां।

रिमूवल करने वाली टीम की भी होती है आमदनी

सड़क किनारे सब्जी फल आदि बेचने वाले व्यापारियों को नहीं हटाने की एवज में निगम की रिमूवल टीम के कर्मचारी और अधिकारियों को भी छोटी-मोटी राकबंदी के रूप में प्रतिदिन मिलती है। प्रत्येक व्यापारी द्वारा दी जाने वाली यह रकम यदि क्षेत्र के सभी सब्जी व्यापारी की राशि जोड़ ली जाए तो प्रतिदिन के हिसाब से एक बहुत बड़ी रकम हो जाती है। इस कारण भी निगम का रिमूवल विभाग सब्जी आदि बेचने वाले कारोबारी पर कार्रवाई करने से भी बचता है।

कई सरकारी योजनाएं भी आकर्षित नहीं कर पा रही लोगों को

सरकारी स्कूलों के प्रति छात्रों का हो रहा मोह भंग

इंदौर। सरकार लाख कोशिश करें लेकिन सरकारी स्कूलों के प्रति छात्रों का मोह भंग होता जा रहा है। इस वर्ष करीब 7 लाख बच्चों ने पिछले वर्ष की तुलना में सरकारी स्कूलों में एडमिशन काम लिया है। यह हम नहीं बोल रहे हैं यह सच्चाई बयां कर रहे हैं राज्य शिक्षा केंद्र के पोर्टल पर अपलोड किए गए आंकड़े। हालांकि शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों में छात्रों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की हैं, जिनमें निशुल्क किताबें, यूनिफॉर्म और मध्याह्न भोजन जैसी सुविधाएं प्रमुख हैं। इसके अलावा, स्कूल चलें हम अभियान और गृह संपर्क अभियान भी शुरू किए गए, जिनमें मंत्री, जनप्रतिनिधि और अधिकारी शामिल होकर छात्रों को स्कूलों में नामांकित करने की कोशिश कर रहे हैं। फिर भी, छात्रों और उनके अभिभावकों का सरकारी स्कूलों पर भरोसा कम होता जा रहा है। इस सत्र में अक्टूबर माह तक सरकारी स्कूलों में पहली से आठवीं कक्षा तक प्रवेश प्रक्रिया जारी रहेगी। फिलहाल, इस सत्र में पहली से आठवीं कक्षा तक लगभग 56 लाख छात्रों ने प्रवेश लिया है, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 63 लाख थी। यह कमी सीधे तौर पर सरकारी स्कूलों में घटते भरोसे और शिक्षा की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करती है।वहीं प्रदेश के पांच हजार पांच सौ स्कूल ऐसे हैं, जहां पहली कक्षा में एक भी छात्र का नामांकन नहीं हुआ है।इसके अलावा, 25 हजार स्कूलों में केवल दो छात्रों का नामांकन हुआ है, और 11 हजार स्कूल ऐसे हैं जहां सिर्फ 10-10 छात्रों ने प्रवेश लिया है। ये आंकड़े राज्य शिक्षा केंद्र के पोर्टल पर अपलोड नामांकन के डेटा से सामने आए हैं, जो प्रदेश में शिक्षा के बिगड़ते हालात की ओर इशारा करते हैं।

आयुष्मान पखवाड़े का शुभारंभ

इंदौर। राज्य शासन द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशानुसार आयुष्मान पखवाड़ा शुरू हुआ। इस पखवाड़े के तहत जन जागरूकता के अनेक कार्यक्रम 30 सितंबर तक आयोजित किए जायेंगे। इस पखवाड़े का विधिवत शुभारंभ आज यहां कलेक्टर श्री आशीष ?सिंह ने किया। इस अवसर पर कलेक्टर कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पखवाड़े के दौरान आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों, पखवाड़ा आयोजन के उद्देश्यों आदि की जानकारी दी गई। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, अपर कलेक्टर ज्योति शर्मा, गौरव बेनल, श्री रोशन राय, राजेन्द्र सिंह रघुवंशी, निशा डामोर, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर.पी. अहिरवार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. सैत्या, आयुष्मान शाखा प्रभारी देवेंद्र सिंह रघुवंशी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर बताया गया कि आयुष्मान पखवाड़ा के दौरान दिन प्रतिदिन कार्यक्रम आयोजन के लिए कैलेंडर तैयार किया गया है।

पीए के रूप में सर्वाधिक अनुभवी देवेंद्र पाराशर का निगम मुख्यालय से ट्रांसफर

सबके प्रति सहयोगात्मक रवैया भी पाराशर की विशेष पहचान

इंदौर। नगर निगम मुख्यालय में सबका सहयोग करने वाले अपर आयुक्त के निज सहायक (पीए) रहे देवेंद्र पाराशर अब हैड आफिस में नहीं दिखाई देंगे। सबके प्रति सहयोगात्मक रवैया रखने वाले देवेंद्र पाराशर का ट्रांसफर अब नगर निगम के झोन 16 पर कर दिया गया है। अपने सहयोगात्मक रवैया के कारण देवेंद्र पाराशर की एक अलग ही पहचान रही है। इसी कारण पाराशर को अमूमन हर निगम कर्मचारी पहचानता है। पाराशर ने अपने सेवाकाल में अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह, संदीप सोनी, रजनीश कसेरा, वीरभद्र शर्मा, ऋषभ गुप्ता, सिद्धार्थ जैन के निजी सहायक के रूप में कार्य किया। सबसे बड़ी बात यह है कि इस दौरान देवेंद्र पाराशर के खिलाफ किसी प्रकार की कोई शिकायत नहीं हुई। छोटे से कार्यकाल में भी इतने अधिक अधिकारियों के निज सहायक के रूप में कार्य करने के बाद भी पाराशर की छवि बेदाग है। यह भी कहा जा सकता है कि पाराशर वर्तमान में सर्वाधिक अनुभवी निज सहायक रहे। सूत्र बताते हैं कि देवेंद्र पाराशर को कुछ लोगों ने दुर्भावनावश ट्रांसफर करवाया है।

ड्रेनेज घोटाले की जांच कर रहे अपर आयुक्त सिद्धार्थ जैन ने भी पाराशर पर विश्वास जताया और रात-रात बैठकर जांच रिपोर्ट तैयार करवाई। जांच टीम को एक साथ बैठना हो या बयान के लिए लोगों बुलाना हो ये सब बहुत ही गोपनीयता रखकर किए गए, जिसकी प्रशंसा स्वयं आयुक्त ने भी की। एक सबसे बड़ी खासियत यह कि अन्य सभी अपर आयुक्त के पीए कंप्यूटर ऑपरेटर है जबकि पराशर एकमात्र पा रहे जो स्टेनोग्राफर हैं। निगम के कई अपर आयुक्त के निज सहायक देवेंद्र पाराशर ने निगम को कई अवार्ड दिलवाने में अथक मेहनत की है। जहां तक पूर्व अपर आयुक्त संदीप सोनी, ऋषभ गुप्ता और अन्य की बात की जाए तो इनका अधिकतम समय स्मार्ट सिटी कंपनी और एआईसीटीएसएल के ऑफिस में ही बीतता रहा है। इसके बाद भी निगम की फाइलें और कार्यों के लिए चिमनबाग स्थित निगम मुख्यालय से फाइलें और अन्य दस्तावेज लेकर देवेंद्र पाराशर ही इन दफ्तर में जाते रहे। इसके पीछे पाराशर की मंशा सिर्फ इतनी रहती कि निगम के सभी कार्य समय पर हो जाएं, साथ ही उनकी ड्यूटी भी होती रहे।

कई अवार्ड प्राप्त करने में भी रहा सहयोग-निगम के जानकारों का कहना है कि कई अवार्ड प्राप्त करने में निगम के उच्च अधिकारियों का सहयोग भी पाराशर ने भरपूर किया। पाराशर अपने निजी वाहन से निजी खर्चे पर दस्तावेज और फाइलें लेकर स्मार्ट सिटी और अन्य ऑफिस में उच्च अधिकारियों के पास जाते रहे हैं। ताकि निगम का कार्य समय पर हो सके। पाराशर उच्च शिक्षित होने के साथ ही कंप्यूटर टाइपिंग आदि के भी अच्छे जानकार हैं।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)